M.A. Semester - III
Philosophy C.C - 10
Unit - III

Prof. Ragini Kumari
Asst. Prof. & Head
P.G. Centre of Philosophy
Maharaja College, Ara

Nature of Sense data according to Moore

(Part - I)

Sense data (इन्द्रिय प्रदत्त) की समस्या समकालीन पाश्चात्य दर्शन की एक प्रमुख समस्या रही है, जिसपर विभिन्न विचारकों ने अपना विचार व्यक्त किया है। यहाँ हमें मूर के अनुसार sense datum ~~से तात्पर्य की~~ समस्या पर प्रकाश डालना है, किन्तु इसके पूर्व यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि sense datum से तात्पर्य क्या है? Datum से तात्पर्य है — what is given अतः sense datum से तात्पर्य है what is given to sense or what appears in sensation. यहाँ हम sense data के सम्बन्ध में दिए गये Moore के विचार की व्याख्या निम्न रूप से करेंगे —

~~इस~~ समस्या के विषय में सबसे पहला प्रश्न जो Moore ने उठाया है वह है, इस समस्या का स्वरूप क्या है तथा यह समस्या कैसे उत्पन्न होती है, इसकी व्याख्या करना। Moore का विचार है कि इस समस्या का दर्शन से सम्बन्ध प्रत्यक्ष को लेकर है। प्रत्यक्ष के सम्बन्ध में कुछ अहम सवाल उठाये जाते हैं — जैसे — वह कौन सी वस्तु है जिसे हम देखते हैं? जब हम यह कहते हैं कि हम भौतिक वस्तुओं

को देखते हैं, तो पुनः प्रश्न उठता है कि क्या हम जिन वस्तुओं को देखते हैं वे यथार्थ हैं। क्या बाह्य जगत के विषय में विश्वास करने का कोई आधार है। Moore का विचार है कि कुछ बातें ऐसी हैं जिन्हें हम सत्य समझते हैं और इनपर शंका करते। उदाहरण के लिए हम इस पर आम तौर से शंका नहीं करते कि 'भूत अस्तित्ववान हैं' 'मन अस्तित्ववान है' तथा 'दूसरे लोग अस्तित्ववान हैं।' इस तरह के वाक्यों को व्यवहार अर्थपूर्ण ढंग से करते हैं लेकिन Moore का मत है कि इन वाक्यों का क्या अर्थ है इनका सही विश्लेषण नहीं कर पाते। यही Moore की समस्या है। इसकी व्याख्या उनकी पुस्तक "Some Main Problem of Philosophy" में देखने को मिलती है। अपने Autobiography में इस समस्या की ओर इशारा करते हुए कहते हैं —

"I have been very keenly interested to problems in question being mainly of two sorts — namely first the problem of trying to get really clear as to what on earth a given philosopher meant by some thing which he said and secondly the problem of discovering what really satisfactory reasons there are for supposing that what he meant was true."

Moore ने अपने लेख 'A defence of common sense' में कुछ ऐसे कथन रखे हैं जिन्हें वे निश्चित रूप से सत्य होने का दावा करते हैं। उदाहरणार्थ

"There exist at present a living body which is my body."

Common sense जिन बातों का ज्ञान होने का दावा करता है उनमें से एक यह भी है कि हमें sense data का परिचय होता है जब हम किसी वस्तु को देखते हैं तब Moore के अनुसार सर्वप्रथम हम sense datum को ही देखते हैं।

इस सम्बन्ध में कई सवाल उठाये जाते हैं— (1) sense data क्या है?

(2) sense data कैसे भौतिक वस्तुओं से सम्बन्धित है?

(3) उनका मन के साथ क्या सम्बन्ध है?

इन तीनों सवालों का जवाब ही sense data की समस्या को स्पष्ट कर सकता है।

Moore के अनुसार sense data हमारे साक्षात या अविलम्ब प्रत्यक्ष के विषय हैं। उदाहरण के लिए दृष्टि संवेदना में sense data वे हैं जिन्हें हम वास्तविक रूप से देखते हैं, जब हम किसी वस्तु को देखते हैं। हम जो वास्तविक रूप से देखते हैं और जिसका हम अनुमान करते हैं? इन दोनों में फर्क है। यदि हम यह देखते हैं कि एक व्यक्ति कमरे में टहलते हुए बाहर जाता है और पुनः एक लिफाफे के साथ वापस आता है तब यहाँ हम जो चित्र वास्तव में देखते हैं वह व्यक्ति के कमरे से बाहर जाना और लिफाफे के साथ अन्दर आना ही देखते हैं। हमारे पास आधार हो भी सकता है और नहीं भी हो सकता है, जिससे अनुभव करें कि उस व्यक्ति के हाथ में पड़ा हुआ लिफाफा किसके द्वारा भेजा गया पत्र है। इसे हमने साक्षात रूप से नहीं देखा है। Moore का विचार है कि जब हम किसी वस्तु को देखते हैं तब एक विशेष प्रकार का 'colour patch' देखते हैं। हम साक्षात रूप से किसी वस्तु को नहीं देखते।

आपने लेख defence of common sense में Moore पाठकों से पूछते हैं कि वे अपने दाहिने हाथ को देखें। वे जिस चित्र को देखते हैं वह sense datum है हम एक विशेष आकार का colour patch देखते हैं तो जो वास्तविक वस्तु को देखते हैं वह इसी तरह की चित्र होती है, जिसे sense data कहा जाता है। Moore ने अपने एक लेख — The status of sense data में पाँच तरह की वस्तुओं को sense data कहा है।

(1) Images
(2) Dream experiences
(3) Hallucination and illusion
(4) After images और
(5) वे वस्तुएँ जिन्हें हम तब देखते हैं जबकि एक वस्तु को सामान्य या असामान्य परिस्थितियों में देखते हैं। इन पाँचों प्रकार की वस्तुओं में दो बातें सामान्य हैं पहला यह कि इन सबों की अनुभूति होना सम्भव है और दूसरा यह कि Moore अपने दर्शन में पाँचवें प्रकार के sense data सम्बन्धी कथनों का विश्लेषण करने में ज्यादा ध्यान दिया है, इसलिए पाँचवीं प्रकार की वस्तु ही यहाँ मूल समस्या है।

उपर्युक्त बातों से स्पष्ट है कि Moore के अनुसार sense data वैसी वस्तुएँ हैं जिनका हमें परिचय साक्षात् प्रत्यक्ष से होता है, हम यह कह सकते हैं कि Moore के अनुसार किसी वस्तु को sense datum होने के लिए यह एक अनिवार्य शर्त है। कोई भी वस्तु जिसका हमें साक्षात् प्रत्यक्ष नहीं हो सकता वह sense datum नहीं बन सकता।

लेकिन Moore के अनुसार साक्षात् प्रत्यक्ष होना sense datum का sufficient condition नहीं माना जा सकता क्योंकि ऐसी कुछ चीजें हैं जैसे हमारी चेतना की प्रक्रिया जिनका हमें साक्षात् प्रत्यक्ष होता है, लेकिन इन्हें sense data नहीं कहा जाता और तीसरी बात जो Moore ने इसके सम्बन्ध में बतायी है और वह यह है कि sense data इन्द्रियानुभूत वस्तुओं के विषय में कही गयी बातों का ultimate subject है।

इस प्रकार sense data हमारे साक्षात् बोध का विषय है।

—— To be continued ——